

विषय-सूची

प्रथम खण्ड

छत्तीसगढ़ : विविध अध्ययन

अध्याय	पृष्ठ सं.
● छत्तीसगढ़ सामान्य परिचय	3—5
● छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण—ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	6—8
● राज्य चिह्न, राज्य पशु एवं राज्य पक्षी	9—11
राज्य चिह्न — विवरण (फोटो), राज्य पशु एवं पक्षी, जंगली भैंस — वितरण, शारीरिक संरचना, आवास, भोजन, प्रजनन, शत्रु एवं संरक्षण, बस्तरिया पहाड़ी मैना — वितरण, शारीरिक संरचना, आवास, शत्रु, संरक्षण.	
● विविध व्यक्तित्व	12—13
छत्तीसगढ़ के प्रथम राज्यपाल : महामहिम श्री दिनेश नंदन सहाय; छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री : श्री अजीत प्रमोद जोगी; छत्तीसगढ़ विधान सभा के प्रथम अध्यक्ष : पं. राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल; छत्तीसगढ़ के प्रथम शिक्षा मंत्री : पं. सत्यनारायण शर्मा.	
● छत्तीसगढ़ : प्रमुख सामान्य तथ्य	14—16
तालिकाबद्ध विवरण.	
● छत्तीसगढ़ के समाजार्थिक विकास संकेतक	17—44
● छत्तीसगढ़ के भौतिक एवं प्राकृतिक विभाग	45—51
पूर्वी बघेलखण्ड का पठार, जशपुर-सामरीपाट प्रदेश, महानदी बेसिन, दण्डकारण्य का पठार—स्थिति, भौतिक संरचना, अपवाह, जलवायु, मिट्टी एवं वनस्पति तथा उपज एवं खनिज.	
● भू-वैज्ञानिक संरचना	52—54
● छत्तीसगढ़ की मिट्टियाँ	55—57
● छत्तीसगढ़ की जलवायु	58—60
● छत्तीसगढ़ में कृषि	61—78
कृषि जलवायु क्षेत्र, मृदा के प्रकार, वर्षा का वितरण एवं फसलीय स्वरूप	
— छत्तीसगढ़ की मुख्य फसलें : विवरण	
— प्रदेश में चल रहे कृषि विकास कार्यक्रम	
— राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना : एक परिचय	

- कृषि विपणन, राज्य भण्डारगृह निगम
- राज्य कृषि उद्योग विकास निगम
- खाद्यान्न वितरण एवं उपभोक्ता संरक्षण
- छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (2011-12)
- **प्रदेश में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान** 79—81
- **उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी** 82—86

प्रदेश में बागवानी की स्थिति, बागवानी विकास हेतु शासकीय कार्यक्रम : 2011-12, छत्तीसगढ़ में कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में चुनौतियाँ एवं सुझाव.
- **पशुपालन एवं चिकित्सा** 87—90

वर्तमान स्थिति, पशु संख्या.
पोषण व स्वरोजगार हेतु प्रदेश में कुक्कुट विकास.
- **मत्स्यपालन** 91—93

स्थिति, शासकीय उपक्रम एवं योजनाएँ.
- **वन** 94—111

वन विभाग की भौगोलिक व प्रशासनिक इकाइयाँ, प्रदेश में वनों का वर्गीकरण, प्रदेश में वन सम्पदा, छत्तीसगढ़ राज्य लघुवनोपज संघ, प्रदेश में लघु वनोपज संग्रहण, जनजातियों के जीवन में लघुवनोपज का महत्व, राज्य वन नीति-2001 (बॉक्स में), वन संरक्षण व विकास में नए आयाम : संयुक्त वन प्रबंधन, वन संरक्षण एवं विकास हेतु योजनाएं/कार्यक्रम, केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं, उत्पादन एवं निस्तार, वन्यप्राणी संरक्षण. छत्तीसगढ़ में वनों पर आधारित उद्योगों के विकास की सम्भावनाएं.
- **खनिज** 112—117

वर्तमान स्थिति, राज्य खनिज विकास निगम, प्रदेश में पाए जाने वाले प्रमुख खनिज.
- **विद्युत् एवं ऊर्जा** 118—124

म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ के मध्य केन्द्रीय उपक्रमों के विद्युत् का बँटवारा, ताप विद्युत् उत्पादन, निजी क्षेत्र की ताप विद्युत् परियोजनाएँ, जल-विद्युत्, छत्तीसगढ़ विद्युत् मण्डल, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत् उत्पादन एवं आपूर्ति की स्थिति, ग्रामीण विद्युतीकरण निगम, राज्य ऊर्जा नीति-2001, प्रदेश में वैकल्पिक एवं अपारम्परिक ऊर्जा का विकास, ऊर्जा विकास निगम, अटल ज्योति योजना, 'छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास एजेन्सी-क्रेडा'.
- कोयला**

प्रदेश में कोयला उत्पादन तथा उत्खनन उद्योग का विकास, वर्तमान स्थिति.
- **उद्योग** 125—143

प्रदेश में उद्योगों का नियोजित विकास, प्रदेश में औद्योगिक विकास की स्थिति और सम्भावनाएँ, प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र, प्रदेश में औद्योगीकरण को प्रोत्साहन, औद्योगिक

नीति-2004-09, सूचना प्रौद्योगिकी का विकास, राज्य के निगम (औद्योगिक विकास निगम, लघु उद्योग निगम मर्यादित, राज्य वस्त्र निगम, हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम), प्रदेश में ग्रामोद्योग, हथकरघा उद्योग, प्रदेश के प्रमुख उद्योग, प्रदेश में वन आधारित प्रमुख उद्योग.

केन्द्रीय प्रतिष्ठान

भिलाई इस्पात संयंत्र; सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन : कोरबा; भारत एल्युमिनियम कम्पनी लिमिटेड; साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड; राष्ट्रीय खनिज विकास निगम का शीर्ष उपक्रम : बैलाडिला लौह खदान; वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर; रिफ़ैक्ट्रीज प्लांट-भिलाई; फेरा स्क्रैप निगम लिमिटेड; बस्तर में विश्व का पहला रोमेल्ट तकनीक उद्योग.

- **परिवहन**

राज्य सड़क परिवहन निगम, रेल परिवहन, वायु परिवहन
छत्तीसगढ़ के प्रादेशिक राजमार्ग, प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग, परिवहन नीति-2001.

144—148
- **जल संसाधन**

छत्तीसगढ़ की नदियाँ, प्रमुख नदियाँ : उद्गम तथा प्रवाह, छत्तीसगढ़ के जलप्रपात.

149—157
- **सिंचाई एवं नदी घाटी परियोजनाएं**

छत्तीसगढ़ में सिंचाई के विकास का इतिहास, प्रदेश की प्रमुख सिंचाई परियोजनाएं—महानदी जलाशय परियोजना समूह; हसदेव बांगो (मिनीमाता) बहुउद्देशीय परियोजना; पैरी परियोजना; छत्तीसगढ़ सिंचाई विकास परियोजना, राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना, नदी कछारों का एकीकृत मास्टर प्लान, राष्ट्रीय जलग्रहण क्षेत्र विकास कार्यक्रम, नदी घाटी/बाढ़ उन्मुख योजना, लघुत्तम सिंचाई (तालाब) योजना; प्रदेश में सिंचाई की वर्तमान स्थिति; राज्य योजनाएँ तथा केन्द्र प्रवर्तित योजनाएँ.

158—163
- **जनजातीय परिदृश्य**

वितरण, कतिपय वर्गों को विशिष्ट संवैधानिक संरक्षण, छत्तीसगढ़ की प्रमुख जनजातियों का विवरण.

164—171
- **स्वास्थ्य एवं चिकित्सा**

172—176
- **पुलिस एवं जेल व्यवस्था**

177—179
- **शिक्षा**

शालेय एवं उच्च शिक्षा की स्थिति, शिक्षा नीति-2001, प्रदेश के विश्वविद्यालय, शिक्षा विभाग के प्रमुख उपक्रम, शालेय शिक्षा से सम्बन्धित कार्यक्रम (राजीव गांधी प्राथमिक शिक्षा मिशन; औपचारिकेतर शिक्षा; शिक्षा गारंटी योजना; पढ़ाबो, पढ़ाबो, स्कूल जाबो योजना; अन्य योजनाएं, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा, राज्य में औद्योगिक प्रशिक्षण)

180—187
- **जनसंचार**

पत्र-पत्रिकाएँ, रेडियो, दूरदर्शन, डाक, तार एवं दूरसंचार.

188—192

- **छत्तीसगढ़ में मानव संसाधन** 193—201
पृष्ठभूमि एवं जनगणना आँकड़ों का विश्लेषण, जनसंख्या वितरण एवं आकार, जनसंख्या का घनत्व, जनसंख्या वृद्धि दर, लिंगानुपात, साक्षरता. [छत्तीसगढ़ : विविध जनांकिकीय तालिकाएं.]
- **छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण धार्मिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, प्राकृतिक एवं पर्यटन स्थलों का जिलेवार विवरण** 202—232
- **पंचायत** 233—236
- **राजनीति** 237—240
- **शासन के रोजगार एवं कल्याण कार्यक्रम** 241—248
ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार कार्यक्रम, शहरी क्षेत्रों में रोजगार कार्यक्रम, समाज कल्याण कार्यक्रम, महिला एवं बाल विकास, राजीव गांधी मिशन, छत्तीसगढ़ शासन के नवीन कार्यक्रम (इंदिरा गाँव गंगा योजना, इंदिरा सहारा योजना, इंदिरा सूचना शक्ति योजना, इंदिरा हरेली-सहेली योजना, राजीव ज्ञानोदय योजना, राजीव स्मृति वन, राजीव किसान मितान योजना, राजीव सूचना शक्ति योजना, मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना).

द्वितीय खण्ड

इतिहास, कला एवं स्थापत्य

- **छत्तीसगढ़ का प्राचीन इतिहास** 251—257
प्रागैतिहासिक काल, वैदिक काल, रामायण काल, महाभारत काल, नन्द-मौर्य काल, सातवाहन काल, वाकाटक काल, गुप्त काल.
गुप्तोत्तर काल
राजर्षितुल्य कुल, नलवंश, शरभपुरीय वंश, श्रीपुर का सोमवंश : छत्तीसगढ़ का स्वर्ण-युग, मेकल का पाण्डव वंश, बाणवंश.
- **छत्तीसगढ़ का मध्यकालीन इतिहास अर्थात् छत्तीसगढ़ में कलचुरि राजवंश** 258—263
कलचुरि राजवंश (1000—1741 ई.), रतनपुर के कलचुरि, कल्याण साय की जमाबंदी : अकबर के पूर्व की विकसित राजस्व व्यवस्था, शिवाजी की रतनपुर यात्रा, रायपुर के कलचुरि (लहुरि शाखा), कवर्धा का फणिनाग वंश, कांकेर का सोमवंश.
- **कलचुरिकालीन शासन व्यवस्था** 264—267
प्रशासनिक व्यवस्था, सामाजिक स्थिति, आर्थिक स्थिति, धार्मिक स्थिति, शिक्षा, साहित्य एवं भाषा, स्थापत्य एवं शिल्प.

- **बस्तर का इतिहास** 268—280
बस्तर के इतिहास का सूत्रपात, बस्तर के मध्यकालीन राजवंश, बस्तर का छिंदक नागवंश (1023—1324 ई.), तेलुगू-चोड़वंश, काकतीय राजवंश, काकतीय मूलतः चालुक्य थे, बस्तर का नामकरण, काकतीय राजवंश का संक्षिप्त इतिहास, बस्तर की विभिन्न राजधानियाँ, बस्तर में मराठा राज (1778—1853 ई.), बस्तर में आंग्ल-मराठा राज (1819—53 ई.), बस्तर में ब्रिटिश राज (1854—1947 ई.), छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला शासिका महारानी प्रफुल्ल कुमारी देवी.
- **छत्तीसगढ़ का नामकरण** 281—282
- **छत्तीसगढ़ के गढ़** 283—285

छत्तीसगढ़ का आधुनिक इतिहास (1741—1947 ई.)

- **छत्तीसगढ़ में मराठा आक्रमण व उसका प्रभाव : 1741—1818 ई.** 286—289
भोंसला आक्रमण के समय हैहय शासन की दशा, छत्तीसगढ़ का प्रथम मराठा शासक : बिम्बाजी (1758—87 ई.), व्यंकोजी भोंसला (1787—1815 ई.), पदस्थ विभिन्न सूबेदार
- **मराठा शासन में ब्रिटिश नियंत्रण (1818—30 ई.) : छत्तीसगढ़ में ब्रिटिश प्रशासन का सूत्रपात** 290—293
- **छत्तीसगढ़ में पुनः भोंसला शासन (1830—54 ई.)** 294—298
नागपुर दरबार में रेसीडेंट का हस्तक्षेप : छत्तीसगढ़ में उसका प्रभाव, भोंसला शासन की मुख्य बातें (1830—54 ई.), रघुजी तृतीय के शासन की समीक्षा.
- **छत्तीसगढ़ में मराठा शासन का स्वरूप** 299—305
- **छत्तीसगढ़ में ब्रिटिश शासन** 306—313
- **छत्तीसगढ़ में ब्रिटिश शासन का प्रभाव** 314—317
- **1857 की क्रांति एवं छत्तीसगढ़ में उसका प्रभाव** 318—323
सोनाखान का विद्रोह; नारायण सिंह के बाद सोनाखान — गोविंद सिंह और अंग्रेज; सम्बलपुर के सुरेन्द्र साय का विद्रोह; रायपुर में सैन्य विद्रोह—हनुमान सिंह का शौर्य; उदयपुर का विद्रोह.
- **छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आन्दोलन** 324—352
छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आंदोलन; छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय जागरण एवं पं. सुन्दरलाल शर्मा; समाचार पत्रों की भूमिका; सूरत विभाजन और छत्तीसगढ़; बिलासपुर में जागृति; छत्तीसगढ़ में होमरूल आन्दोलन; गोखले का रायपुर आगमन; रौलेट एक्ट और छत्तीसगढ़; कंडेल सत्याग्रह गांधीजी की प्रथम छत्तीसगढ़ यात्रा (20—21 दिसम्बर, 1920 ई.).

असहयोग आंदोलन और छत्तीसगढ़ में उसका प्रभाव

असहयोग आंदोलन और छत्तीसगढ़; न्यायालयों का बहिष्कार—वकालत का त्याग; पदवियों का त्याग; कौंसिल एवं चुनाव का बहिष्कार; विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार, स्वदेशी का प्रचार; रचनात्मक कार्यक्रम; खादी का प्रचार—खादी आश्रम; मद्य निषेध; आबकारी नीलामी का बहिष्कार; सत्याग्रह आश्रम; प्रचार केन्द्रों की स्थापना; राष्ट्रीय विद्यालयों की स्थापना;

विद्यालयों में पाठ्यक्रम; राष्ट्रीय पंचायत; राष्ट्रीय नेताओं का आगमन; सिहावा-नगरी का जंगल सत्याग्रह; रायपुर जिला राजनीतिक सम्मेलन-पुलिस से टकराव; असहयोग आंदोलन की समाप्ति; पं. शर्मा की गिरफ्तारी; कृष्ण जन्म स्थान समाचार पत्र-जेल पत्रिका.

स्वराज दल और छत्तीसगढ़

राव साहब का अविश्वास प्रस्ताव; झंडा सत्याग्रह; काकीनाडा अधिवेशन और छत्तीसगढ़ से पैदल यात्रा; धमतरी में हिन्दू-मुस्लिम दंगा; पं. शर्मा और अछूतोद्धार; अन्य घटनाएँ; साइमन कमीशन का विरोध; रायपुर जिला परिषद् का संघर्ष.

प्रथम सविनय अवज्ञा आन्दोलन

रायपुर में आंदोलन; अवज्ञा के पाँच पांडव; धमतरी में आंदोलन; बिलासपुर में आंदोलन; मुंगेली में आंदोलन; दुर्ग जिले में आंदोलन; अन्य घटनाएँ.

आंदोलन के दौरान जंगल सत्याग्रह

गट्टासिल्ली का जंगल सत्याग्रह, 1930; रुद्री नवागाँव जंगल सत्याग्रह, 1930; महासमुंद (तमोरा) में जंगल सत्याग्रह, 1930-बालिका दयावती का शौर्य; लभरा ग्राम जंगल सत्याग्रह, 1930; मोहबना-पोंड़ी में जंगल सत्याग्रह, 1930; पोंड़ी ग्राम जंगल सत्याग्रह, 1930; बाँधाखार जंगल सत्याग्रह, 1930; सारंगढ़ में जंगल सत्याग्रह, 1930; उदयपुर में बेगार विरोधी आंदोलन.

आन्दोलन का द्वितीय चरण

जिला कांग्रेस की कार्यवाही-डिटेक्टरों की नियुक्ति; महिलाओं का सक्रियतापूर्ण योगदान; डिटेक्टरों के नेतृत्व में आन्दोलन की प्रगति; पत्र बम योजना-सांकेतिक प्रहार; रायपुर में वानर सेना का बाल आंदोलन; खादी दमन बनाम पुलिस बर्बरता; धमतरी में आंदोलन; बिलासपुर में आंदोलन; दुर्ग जिले में आंदोलन; गांधीजी की द्वितीय छत्तीसगढ़ यात्रा (23-28 नवम्बर, 1933 ई.); धमतरी प्रवास; गांधीजी का बिलासपुर प्रवास; रायपुर जिला कौंसिल की बहाली.

अन्य घटनाएँ : 1935-42

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का द्वितीय छत्तीसगढ़ आगमन; पं. नेहरू का रायपुर आगमन; बरार का मध्यप्रांत में सम्मेलन; प्रांतों में स्वायत्तता हेतु निर्वाचन; छुई-खदान जंगल सत्याग्रह-1938; बदराटोला जंगल सत्याग्रह-1939; व्यक्तिगत सत्याग्रह; क्रिप्स मिशन की असफलता और डॉ. ई. राघवेन्द्रराव; रायपुर षड्यंत्र केस.

भारत छोड़ो आंदोलन

गांधीजी का वर्धा प्रस्ताव; छत्तीसगढ़ में प्रभाव; मलकापुर की घटना; रायपुर में प्रभाव; रायपुर डायनामाइट कांड; बिलासपुर में आंदोलन; दुर्ग में आंदोलन-आगजनी; नए चुनाव; स्वतंत्रता की प्राप्ति; छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता दिवस समारोह.

● रियासतों का भारत संघ में संविलियन

छत्तीसगढ़ की रियासतों एवं जमींदारियों का संक्षिप्त परिचय; जमींदारियाँ; रियासतों का भारत संघ में संविलियन; सरदार पटेल के कार्य; ठाकुर प्यारेलाल का योगदान.

- **छत्तीसगढ़ में आदिवासी विद्रोह** 356—361
 हलबा क्रांति (1774—77); भोपालपट्टनम् संघर्ष (1795 ई.); परलकोट का विद्रोह (1824—25 ई.); तारापुर का विद्रोह (1842—54 ई.); मेरिया विद्रोह (1842 से 1863 ई.); लिंगागिरि का विद्रोह (1856-57 ई.); कोई विद्रोह (1859 ई.)—वनरक्षा हेतु आंदोलन; मुरिया विद्रोह (1876 ई.); 1910 ई. का विद्रोह : भूमकाल.
- **छत्तीसगढ़ में मजदूर एवं किसान आंदोलन 1920—40 ई.** 362—364
 प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मजदूर आंदोलन; दुर्ग—डांडी का प्रसिद्ध किसान आंदोलन.
- **छत्तीसगढ़ के प्रमुख इतिहासकार एवं पुरातत्ववेत्ता** 365—366
- **राष्ट्रीय चेतना के विकास के साथ छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास** 367—370
- **छत्तीसगढ़ में धार्मिक एवं दार्शनिक प्रवृत्तियाँ** 371—373
- **पुरातत्व—कला एवं स्थापत्य** 374—386
चित्रकला — छत्तीसगढ़ के प्रमुख प्राचीन कला केन्द्र; छत्तीसगढ़ में पुरातात्विक उत्खनन;
स्थापत्य — मंदिर वास्तु; ईंटों के मंदिर का काल (6वीं से 9वीं शताब्दी); पाषाण निर्मित कलचुरिकालीन अथवा मध्यकालीन मंदिर वास्तु; मराठाकालीन मंदिर—वास्तु;
मूर्तिकला —प्रारम्भिक मूर्तिशिल्प (200 ई.पू.—500 ई.); गुप्तोत्तरकालीन मूर्तिशिल्प (500 से 800 ई.); कलचुरिकालीन अर्थात् मध्यकालीन मूर्तिशिल्प (1000 से 1400 ई.); गोंड मूर्तिशिल्प (1500—1700 ई.); धातु प्रतिमाएं;
सिक्के—छत्तीसगढ़ में प्राप्त सिक्के; विश्व के अद्वितीय उत्पीड़ितांक अथवा ठप्पांकित मुद्राएं; मध्यकालीन अथवा कलचुरिकालीन सिक्के; मराठा और ब्रिटिशकालीन सिक्के;
मुहरें एवं मुद्रांक; अभिलेख, विविध स्मारक—अन्य पुरातात्विक सामग्रियाँ.

तृतीय खण्ड

संस्कृति

- **छत्तीसगढ़ी भाषा (बोली)** 388—391
- **छत्तीसगढ़ी काव्य—उद्भव एवं विकास** 392—395
- **छत्तीसगढ़ी गद्य का विकास** 396—397
- **छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय** 398—401
 पं. सुंदरलाल शर्मा, बंशीधर पांडेय, पं. द्वारिका प्रसाद तिवारी 'विप्र', प्यारेलाल गुप्त, स्व. अमृतलाल दुबे, पं. श्यामलाल चतुर्वेदी, श्रीहरि ठाकुर, लोक कवि बद्री विशाल परमानन्द, स्व. कपिलनाथ कश्यप, डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा, स्व. हेमनाथ यदु, कवि भगवती सेन, लाला जगदलपुरी, नारायणलाल परमार, साहित्यकार पालेश्वर शर्मा, केयूर भूषण, लोक कवि दानेश्वर शर्मा, विद्याभूषण मिश्र, कवि समीक्षक डॉ. विनय कुमार पाठक; नंदकिशोर तिवारी : छत्तीसगढ़ी समीक्षक, डॉ. चित्त रंजन कर, डॉ. सुधीर शर्मा, हास्य कवि स्व. उधोराम 'झखमार', उपन्यासकार शिवशंकर शुक्ल, गीतकार लक्ष्मण मस्तुरिया, व्यंग्यकार जी.एस.

रामपल्लीवार, गीतकार मुरली चंद्राकर, रघुवीर अग्रवाल 'पथिक', हास्य व्यंग्य कवि—रामेश्वर वैष्णव, नाटककार प्रेम साइमन, नाटककार टिकेन्द्र टिकरिहा, प्रथम छत्तीसगढ़ी कवयित्री : डॉ. निरुपमा शर्मा—सोन्नाबाई, कवि डॉ. देवधर महंत.

- **छत्तीसगढ़ की लोक कलाएँ, संस्थाएँ और कलाकार** 402—406
छत्तीसगढ़ी रंग मंच—पंडवानी, भरथरी, लोक नाट्य, लोक नृत्य, पंथी नृत्य, नाट्य संस्थाएँ, प्रमुख लोक कलाकार—छत्तीसगढ़ी लोककला के उद्धारक : दाऊ रामचंद्र, देशमुख, दाऊ महासिंह चंद्राकर : लोककला के पुजारी, 'नाचा' के भीष्मपितामह दुलार सिंह मंदराजी, पंडवानी के गुरु : झाड़ूराम देवांगन, पंडवानी गायिका : पद्मश्री तीजन बाई, भरथरी गायिका : सूरुज बाई खांडे, लोक गायक : केदार यादव, पंथी नर्तक : देवदास बंजारे, लोक कलाकार : फिदाबाई मरकाम, संगीतकार : रवान यादव, लोकगायिका : ममता चंद्राकर, उद्घोषक कलाकार : बरसाती भैया, कलाकार/संगीतकार : पी.आर. उरांव (प्रशासनिक अधिकारी), गायक/अभिनेता : भैयालाल हेड़ाऊ, छत्तीसगढ़ी गायक : शेख हुसैन, पंडवानी गायिका : ऋतुवर्मा, कविता वासनिक, नाट्य निर्देशक : प्रेम चंद्राकर.
- **छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति** 407—409
लोक साहित्य, लोकगीत.
- **छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य** 410—413
सुआ नृत्य, पंथी नृत्य, चंदैनी नृत्य, राउत नाच, प्रमुख जनजातीय नृत्य—करमा, ककसार (मुड़िया नृत्य), गौर नृत्य (माड़िया नृत्य), गेंड़ी नृत्य, हुलकी पाटा, दोरला, परब नृत्य, मांदरी नृत्य, सरहुल, सैला अथवा डंडा नृत्य, दमनच नृत्य.
- **छत्तीसगढ़ी लोककथा एवं लोकगाथा** 414—415
- **छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य** 416—418
रहस—छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा का प्रतीक, नाचा : छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य की लोकप्रिय विधा; छत्तीसगढ़ के आदिवासी लोकनाट्य.
- **छत्तीसगढ़ी भाषा के प्राण और संस्कृति की आत्मा** 419—421
'कहावत', 'जनाउला', 'हाना' और 'मुहावरे'.
- **छत्तीसगढ़ी लोक चित्रकला** 422—424
लोकसंगीत, पारम्परिक आभूषण.
- **जनजातीय कलाएँ** 425—428
रूपंकर कलाएँ, मिट्टी शिल्प, काष्ठ शिल्प, बाँस शिल्प, कंघी कला, पत्ता शिल्प, कोसा शिल्प, धातु कला, घड़वा कला, लौह शिल्प, प्रस्तर शिल्प, जनजातीय चित्रकला, प्रमुख जनजातीय चित्रकार, प्रमुख जनजातीय शिल्पकार.
- **जनजातियों की सांस्कृतिक विशेषताएँ** 429—435
भाषा, सामाजिक—धार्मिक विशेषताएं, जनजातीय युवागृह—घोटुल, धूमकुरिया, बस्तर का ऐतिहासिक दशहरा.
- **छत्तीसगढ़ के मेले** 436—438
छत्तीसगढ़ के परम्परागत पर्व, जनजातीय पर्व, अन्य धर्मों के पर्व, गैर-छत्तीसगढ़ी हिन्दुओं के पर्व.

- **छत्तीसगढ़ में हिन्दी साहित्य का विकास** 439—446
छत्तीसगढ़ के प्रमुख हिन्दी साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय—छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के पितामह : माधवराव सप्रे, गद्यकार एवं सम्पादक : स्व. पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी, गजानन माधव 'मुक्तिबोध', स्व. पं. केदारनाथ ठाकुर, पं. लोचन प्रसाद पांडेय, पं. रामदयाल तिवारी, काव्य जगत् में छायावाद के प्रवर्तक : पद्मश्री मुकुटधर पांडेय, स्व. श्रीकांत वर्मा, हिन्दी शोक गीतों के प्रथम रचनाकार : स्व. मेदिनी प्रसाद पांडेय, पं. स्वराज प्रसाद त्रिवेदी, सम्पादक एवं साहित्यकार : पं. सुन्दरलाल त्रिपाठी, विनोद कुमार शुक्ल, साहित्यकार, समालोचक, शिक्षाविद् : राजेन्द्र मिश्र, अशोक वाजपेयी, लतीफ घोंघी, रामकुमार चतुर्वेदी 'चंचल', क्रांति त्रिवेदी.
- **प्रदेश में शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य** 447—450
प्रदेश के संगीत संस्थान, शास्त्रीय नृत्य, संगीत से जुड़ी छत्तीसगढ़ की हस्तियाँ, प्रमुख संगीतज्ञों का परिचय—संगीत सम्राट् : राजा चक्रधर सिंह, पंडित कार्तिकराम, पं. पचकौड़ प्रसाद पांडेय : बाजा मास्टर, विमलेंदु मुखर्जी, बुधादित्य मुखर्जी, सेन दम्पति, मंजुला दास गुप्ता, सुलक्षणा पंडित, सेन बंधु.
- **प्रदेश में आधुनिक चित्रकला** 451—452
- **छत्तीसगढ़ में आधुनिक रंगकर्म** 453—456
- **छत्तीसगढ़ में खेल गतिविधियाँ** 457—461
- **छत्तीसगढ़ शासन के पुरस्कार** 462—464
- **छत्तीसगढ़ के महान् व्यक्तित्व** 465—480
महाप्रभु वल्लभाचार्य, गुरु घासीदास, वीर नारायण सिंह, वीर हनुमान सिंह, क्रांतिवीर—सुरेन्द्रसाय, पं. माधवराव सप्रे, गुण्डाधूर, पं. सुन्दरलाल शर्मा, पं. रविशंकर शुक्ल, ठाकुर प्यारेलाल सिंह, डॉ. ई. राघवेन्द्र राव, बैरिस्टर छेदीलाल, घनश्याम सिंह गुप्ता, मुंशी अब्दुल रऊफ मेहवी, पं. रामदयाल तिवारी, पं. वामनराव लाखे, पं. रत्नाकर झा, यति यतनलाल, क्रांतिकुमार भारतीय, डॉ. खूबचन्द बघेल, डॉ. राधाबाई, आदिवासियों के मसीहा : प्रवीर चन्द्र भंजदेव, ठाकुर रामप्रसाद पोटाई, गहिरा गुरु, छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद : मिनीमाता.
- **छत्तीसगढ़ के विविध व्यक्तित्व** 481—483
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** 485—496